क्या टेल्कम पावडर से कैंसर होता है?

डॉ. महेश परिमल

अमेरिका की विशाल बहुराष्ट्रीय कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के बुरे दिन शुरू हो गए हैं। कंपनी का टेल्कम पावडर विवादास्पद हो गया है। शोध में यह बात सामने आई है कि इसके पावडर का इस्तेमाल करने से कैंसर होता है। हाल ही में अमेरिका के अलाबामा राज्य की एक महिला की मौत हो गई। उसे अंडाशय का कैंसर था। उक्त महिला रोज़ अपने अंतर्वस्त्रों में जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के बेबी पाउडर का छिड़काव करती थी। महिला के परिजनों ने जब इस मामले की गहराई से जांच की, तो पता चला कि टेल्कम पाउडर में टेल्क नाम का प्राकृतिक पदार्थ इस्तेमाल में लाया जाता है, उसमें एस्बेस्टस होता है जो कैंसर पैदा कर सकता है।

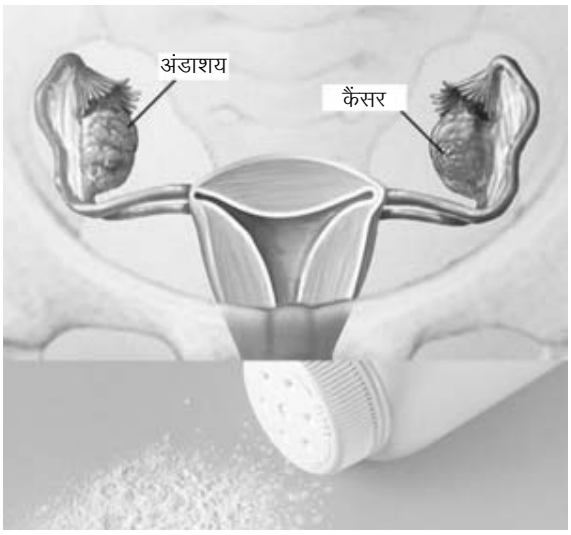

मृत महिला के परिजनों ने जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के खिलाफ मिसोरी की अदालत में मामला दर्ज किया। कंपनी को यह पता था कि टेल्कम पावडर से कैंसर होता है, पर उसने अपने ग्राहकों को चेतावनी देने की बात टाल दी। अदालत ने परिजनों के दावे को मान्य रखते हुए जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी पर 7.2 करोड़ डॉलर का जुर्माना ठोंक दिया। इससे उक्त पावडर का इस्तेमाल करने वाले विश्व के करोड़ों लोग चिंतित हो गए हैं। समस्या यह पैदा हो गई है कि अब लोग यह सोचने लगे हैं कि जॉनसन एंड जॉनसन के टेल्कम पाउडर का इस्तेमाल करें या न करें?

एक समय ऐसा भी था, जब टेल्कम पाउडर में एस्बेस्टस हुआ करता था। 70 के दशक में हुए शोध से यह पता चला कि एस्बेस्टस से कैंसर होता है। तब से टेल्कम पावडर में एस्बेस्टस हटाया जाने लगा।

इसके बाद भी वैज्ञानिकों ने टेल्कम पावडर को निरापद नहीं बताया। सन 2000 में अमेरिका के नेशनल टॉक्सिकोलॉजी प्रोग्राम में पावडर की गिनती कैंसरकारक पदार्थ के रूप में होने लगी। टेल्कम पाउडर कंपनियों ने तुरंत ही इसका विरोध किया। 2007 में कनाडा के स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों के लिए टेल्कम पावडर के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया, क्योंकि टेल्कम पावडर सांस के माध्यम से शरीर के अंदर चला जाता था। इससे उनका शरीर प्रभावित होने लगा था।

2010 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पब्लिक हेल्थ विभाग ने बताया कि यदि 50 पार महिलाएं अपने गुप्त स्थानों पर टेल्कम पावडर लगाती हैं, तो उन्हें गर्भाशय का कैंसर हो सकता है।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के शोध से अन्य 16 और निष्कर्ष सामने आए। इसमें से प्रमुख है कि जो वृद्ध महिलाएं नियमित रूप से टेल्कम पावडर का इस्तेमाल करती हैं, उन्हें अंडाशय का कैंसर होने की संभावना 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। 1996 में अमेरिका के खाद्य व औषधि प्रशासन ने रबर के गर्भनिरोधकों के उत्पादकों को यह सूचना दी कि वे अपने इस तरह के उत्पाद में टेल्कम पाउडर का इस्तेमाल बंद कर दें क्योंकि इससे महिलाओं को अंडाशय का कैंसर हो सकता है और बांझपन का खतरा भी बढ़ सकता है।

जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के खिलाफ मानहानि का दावा करने वाले 52 वर्षीय जेकलीन फॉक्स के परिजनों ने अपने दावे के समर्थन में सभी शोधों का निष्कर्ष सामने रख दिया। अमेरिका में कैंसर से जितनी महिलाओं की मौत होती है, उसमें पांचवें क्रम में अंडाशय का कैंसर आता है। अमेरिका की कैंसर सोसायटी मानती है कि टेल्कम पावडर और अंडाशय के कैंसर के बीच सम्बंध है, यह अभी निर्विवाद रूप से सामने नहीं आया है। अलाबामा की जिस महिला को अंडाशय का कैंसर हुआ था, वह महिला पिछले 35 वर्ष से अपने गुप्त अंगों को गीलेपन से बचाने के लिए जॉनसन एंड जॉनसन टेल्कम पावडर का इस्तेमाल करती थी। उसकी मौत के बाद जब उसकी डॉक्टरी जांच की गई, तो पता चला कि उसके अंडाशय में काफी मात्रा में टेल्कम पावडर जमा था।

उस महिला के डॉक्टरों का कहना था कि महिला की मौत टेल्कम पावडर के कारण ही हुई है। महिला के परिजनों की दलील थी कि जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी को मालूम था कि उनके पावडर से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है, इसके बावजूद भी उसने ग्राहकों को किसी प्रकार की चेतावनी नहीं दी। उन्हें अपने उत्पाद में यह लिखना था कि इस पावडर के इस्तेमाल से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। सबूत के तौर पर परिजनों ने जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के आपसी पत्र व्यवहार को पेश किया। जिसमें यह लिखा गया था कि जिस तरह सिगरेट और कैंसर के बीच सम्बंध को कई लोग नकारते हैं, उसी तरह टेल्कम पाउडर और कैंसर के बीच सम्बंध को भी लोग नकारते हैं। जेकलीन फॉक्स के वकीलों की दलील थी कि जिस तरह से सिगरेट से फेफड़ों का कैंसर होता है, यह स्वाभाविक है, ठीक उसी तरह टेल्कम पावडर से अंडाशय का कैंसर होता है, वह भी स्वाभाविक है। इसे कंपनी ने स्वीकार कर लिया है।

यह मामला बढ़ते देखकर टेल्कम पावडर का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोग यही सोच रहे हैं कि अब हमें क्या करना है? विश्व स्वास्थ्य संगठन के शोध में जो पुरुष एवं स्त्रियां अपने अंगों को स्वच्छ रखने के लिए टेल्कम पावडर का इस्तेमाल करते हैं उन्हें कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। फिर भी कोई भी शोध यह विश्वासपूर्वक नहीं कहता कि टेल्कम पाउडर के प्रयोग से ही कैंसर होता है। अभी इस पर निर्णय होना बाकी है। पर जिस तरह से जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी पर जुर्माना लगाया गया है, उसे देखते हुए यही कहा जा सकता है कि इस टेल्कम पावडर ने जॉनसन एंड जॉनसन को बुरी तरह से फंसा दिया है और दूसरी पावडर कंपनियों को सोचने के लिए विवश कर दिया है। आखिर कब तक ये बहुराष्ट्रीय कंपनियां नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करती रहेंगी? ***(स्रोत फीचर्स)***

स्रोत के नए ग्राहक शुल्क

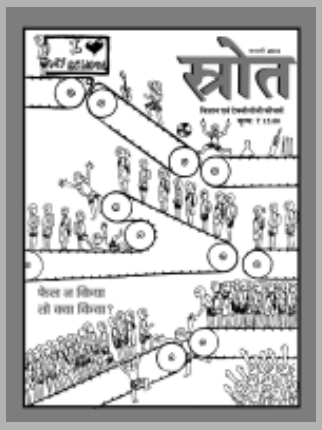

एक प्रति - 30 रुपए

सदस्यता

एक वर्ष - 300 रुपए

दो वर्ष - 600 रुपए

तीन वर्ष - 750 रुपए

एकलव्य के नाम ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

हमारा पता -

ई-10,शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016